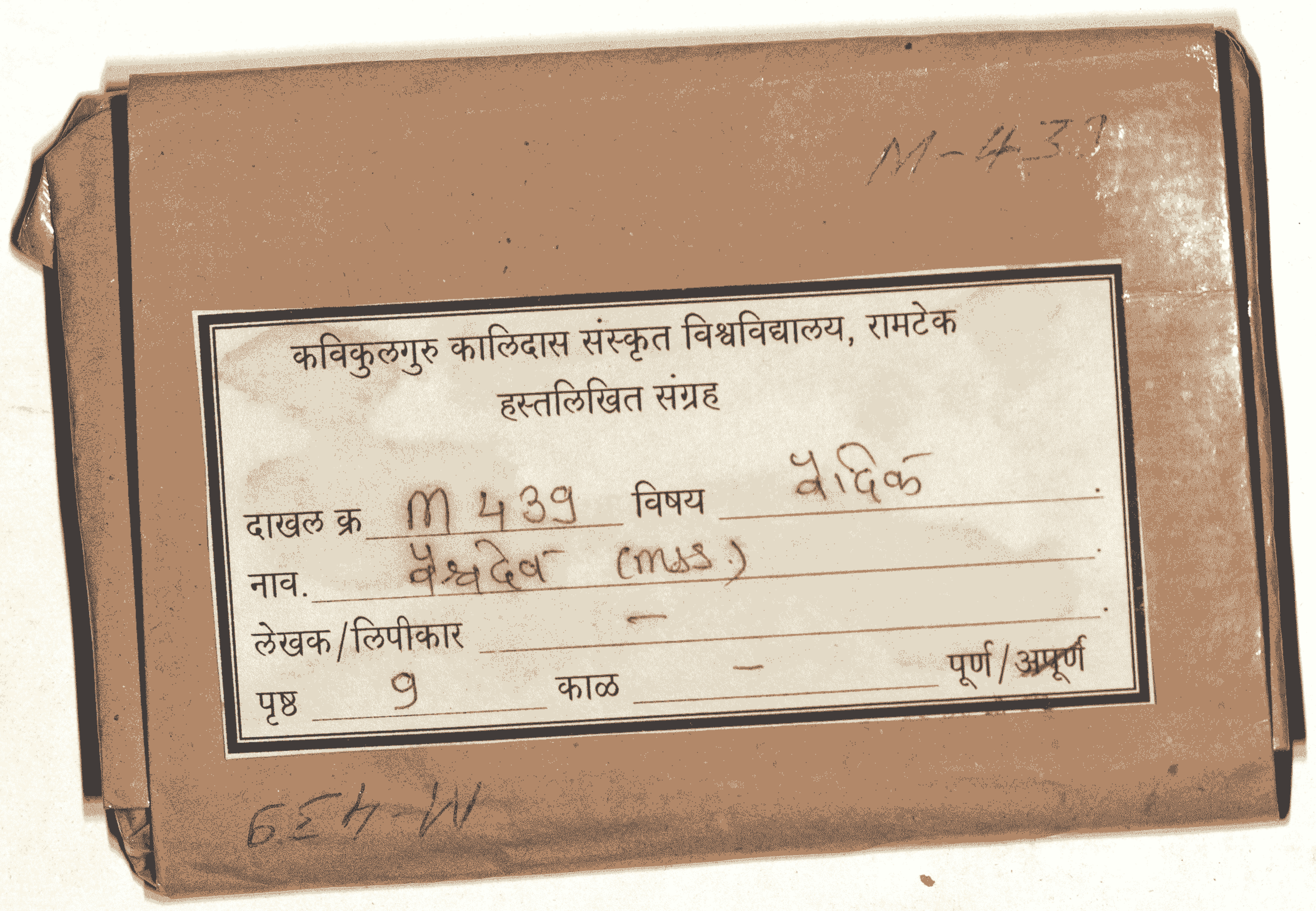

कविकुलगुरु-कालिदास-संस्कृत-विश्वविद्यालयः



M-439
कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक
हस्तलिखित संग्रह
दाखल क्र M 439 विषय वैदिक
नाव. वैश्वदेव (mss.)
लेखक/लिपीकार
पृष्ठ 9 काळ
पूर्ण/अपूर्ण
M-439


॥ श्री ॥

श्री गणेशाय नमः श्री सरस्वतै
य नमः श्री गुरुभ्योय नमः श्री
धेस्वराय नमः श्री कृष्णदेव
य नमः श्री सिताराम चद्राय न
मः श्री कैछभ्रुमिनारायणाय नमः
५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५

॥श्री॥ गणेशाय नमः आ[illegible]पुपविंशे
गावेप्रगुणं पिशोशाग पिशाचठापाः [illegible]
न्यको [illegible]म भआम्रना श्र[illegible]र [illegible]ओन
पुराणो कः कः मात्य [illegible] श्री आ[illegible]
श्वरापि परम श्वर [illegible] धर्म सामप्रा
पौसि दे प्रारघनघ्नप्र [illegible]रि सा: ५५

वक्रि०
॥ १॥

चूयो।त्रि श्री।गा।गा।चतुर्मो।वामदेवोआ
स्नीश्रीहुंपूँआ।स्नी।मोतां।धोने।विनियो
गः ओः चू ह्रो त्रि श्री गा न्यासःपादेः
हे सिर श्री सप्तहास्ते सा आ वा॥ त्रिधं
षुधोपे वृभो नौरषि त्रिमहे दृयो मपूँ

न्यासं विदेषाः॥ सप्तहास्ते चूतु श्री॥ जे
सप्तजि हृसिरसि श्रीपाद प्रसन्नं वद
नम्स्रुरवासीनः कृती सुताः॥ श्रा
तहृदयेपारश्चेद्विवामेश्व धाताथा
विभूतद्हृदयेहास्तुचिस्तुको क्रिमन्यः

राम
॥ ३॥

वासि०
॥२॥

म कृ स्रुअतो मरमय जनाम वो मे घृत
पाश्र्चं धारयनम पाछे: जदावध गोप
रण: मोहो मसा: वाभाभिमुखभासि
नम: ये वकुपोहु ता गाना: ॥ औं: परिनम
हान: परिस्तुतं: प्रवनेसा भंयत्व

नाम
॥२॥

वासि०

मभतुरस्तं करिन्के मठ वैनर वाभणं
माया हु: था नि: हा ॥ कुकमे ॥ ज मे वधा
ज मा मुख्यो मन मुखे भयम: पेष
सहु वा महिमोनस व पृपाति: जा
त: मनुगमे आमा: स जा मानेस
ज नेषमणे ॥ : प्र लगं: मुखा निषे

नाम

नाविश्वतो मुखषाः ॥ ओं मौ स्तुवि
श्वस्नमः स्तुविग्नमाणमुत मः मा
तुवि आवे पति पुत्र हद्दा निद्रा सु
से यस्व दिव सम्बुनेभानयेदो यूकौ
कर्म नेक्षीणानि सर्वानः ओ चिनमः
सप्तर्षि नमः ओ मम भूर इणीमत
अस्ति ॥ मः ओ ओ धरुपि प्रश्नमे
श्वौराजनमाः गधा स्वाहः पुष्पा पि
स्मर पः यामि ॥ ओ गने पशुमज़ो
आ ग्नो हु ॥ पिब णा निधायः ॥ ओं
सुरपाय स्वाहा ॥ सुरपायेदं नमः ओं
प्रजापतये स्वाहा ॥

वसि ॥४१॥

मं ब्रह्मणाये इदंमः ओं: आग्नेयेश्वा:
हु: अग्नै स्नयप इदंमः ओं मः प्रजा
पतये स्वाहु: प्रजापतये इदंमः ओं
सो।म।य वनपतये नेमोः श्वा हु
सोमा[illegible] य वनपते इदंमः ओं: अ
ग्नी षोमा[illegible]भ्याम स्वाहु अग्नीषो

नांम ॥४१॥

वह्नि विधि

माभ्याम इदंमः ॥ ओं इंद्राग्निभ्या:
स्वाहा: इंद्राग्निभ्याम इदंमः ॥ ओं द्यावा
पृथिवीभ्याम स्वाहु: द्यावापृथिवीभ्या
म इदंमः ॥ ओं: धनमत्रैये स्वा: हु: ध
नमत्रैये इदंमः ॥ ओं इंद्राय: स्वा:
हा इंद्राय इदंमः ॥ ओं: विश्वेभ्यो देवे

१५

वसि॥ ॥५

भ्यो। भ्यो। हुा वि श्वेभ्यो। देहिमा:॥: ओं: श्रम
णे श्वाहा: श्रमण य देहिम:॥: ओं: पशि
म्भे ह्रान: पुरु ष्णुण:॥ ओं: भु श्वा भ्या गे
ये देहिम:॥: आं मं भुव श्वा भ्यां ग्न ये देहिम
अग्न श्च श्वा सुरया य देहिम:॥: ओं:
भैं भू: भुव श्वा दे डापये य देहिम:॥

न्मम: ओं म म्य मे श्व व मे मलोप
चिनम धापा इति शुन मम ति रि
तम्म इति नम॥: श्वा ल्लि श्व धाम मे
धांम: परा। मध्या। म चिद्धमा। मबुधि
म श्री यम वकम भाबुघनै सि। रोग
देहमेहा। मपाहुान नमो नम। नम

नाम ॥५॥ नाम

१ स्ति
॥ द्वि॥

इं दे। कुंविता कर्म प्रत्यपता। धरे
यतः स्मरणा हृपताना चिकृ सपुण
मद्गांहिति जुति॥ श्रीमआ नि
ग्यस्व विपरम अस्ता। चिभा लिप्र
हृणे। वीनि योगा॥ ॐनः मानस्तो
कं

प्र
॥ द्वि

पासि

ति कुछो रुद्रो लगानि चिभा ति गृहृणं
विवि योगाः ॐ मानस्तोकु तन
युमानु आयुमानु। गोषु मानअ
स्वे सुविरस्तो॥ः पिताने: मानेपु
कुभामि तोपाधिरहा। चिनमतः स

राम

दूमिहाः हावा महोम्ओं त्रिमाई श्रुत
महम्मी मि ति क्त काछे॥ ॐ फट्
प्रहांस्मीइ मिति फटः॥ ॐ आ
गा तशास्मीइ मितिनो मतुः॥ ॐ
यदेवानाः स्मीयाई मिति इद्दी

णहा स्कंधेः॥ ॐ तनमे आत्म
स्मीयाइ मिति पामे स्कंधेः॥
ॐ सर्यमस्तहा गायभु मिति
सीं कंसि॥ ॐ पमेश्वरः चमेय
नोपचितेनमेस्वाईतेगानि
आतिरिह निबधनो स्मई तेन
मोः

पासि ॥८॥

आनेन यथा नानेनः सामप्रार्थ
यसिद्ध्यास्तुनः॥ श्रीप्रआग्नीन
रायण श्वरूपिन परमेश्वर॥ प्रीयो
भः यमे। सियमद्युतो सिवायसि
स्मि माहु। बला आहो वामः॥ त्रि

राम

पा

नापापसर्वभिद्यते पायस्सा नेभतापू
चरति चम्पाह कथ क्लि छति विष्णु
स्य पेठः ते श्यामक्लिमः पुष्टि कामो
हानाति मस्पृष्टी प्राप्तिपतिरुद्दानुः
ताः पिधि सिधमतारि हाः ओरणा
वीशयोगम आद्यु सिवादि सेन प्रवि

राम

पत्री ॥१॥

सर्वेभिः

हिसेनपिद्धुद्रुत्रपानुःआस्तपा

हुमधाकेआम पासैहवसमप

[illegible]

[OrderDescription]
,CREATED=09.09.19 10:39
,TRANSFERRED=2019/09/09 at 10:43:10
,PAGES=12
,TYPE=STD
,NAME=S0001665
,Book Name=M-439-VAISHVADEV
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
,FILE5=00000005.TIF
,FILE6=00000006.TIF
,FILE7=00000007.TIF
,FILE8=00000008.TIF
,FILE9=00000009.TIF
,FILE10=00000010.TIF
,FILE11=00000011.TIF
,FILE12=00000012.TIF
,